लाल सलाम वाला कन्हैया सॉफ्ट हिन्दुत्व के रास्ते पर

प्रियम श्रीवास्तव

डॉ कन्हैया कुमार ने असम के बरम बाबा मंदिर में ग्रैंड एलायंस के कैंडिडेट करीमुद्दीन के लिए पूजा-अर्चना की।

भाई साहब सिलचर पहुंचने के बाद सीपीआई ऑफिस गए, जहां उनका अच्छा खासा स्वागत हुआ और कुछ युवा लोगों से मिलने के बाद ब्रह्म बाबा मंदिर गए, जहां आधे घंटे तक पूजा-पाठ और मंत्र जाप किया। फिर वहां से सिलकूरी नच गढ़ के दुर्गा मंदिर गए और वहां भी पूजा अर्चना की।

आखिर ऐसा क्यों हुआ और किसलिए हुआ ?

ये सब सॉफ्ट हिन्दुत्व अपनाने का तरीका है। सॉफ्ट हिन्दुत्व अपना कर वोटों की राजनीति करना, सत्ता पर काबिज होना कहते है।

जो काम और एजेंडा भाजपा अपनाती है आखिर ये भी अपनाने लगे ? भाजपा जैसी पार्टियां संघ के हिसाब से एग्रेसिव हिंदुत्व या धार्मिक बातें करती है और अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकती है, लेकिन अब कन्हैया कुमार जैसे लोग सॉफ्ट हिंदुत्व जैसी चाल या खेला खेलेंगे अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए तो अंतर सिर्फ एग्रेसिव और सॉफ्ट हिंदुत्व का रह जायेगा।

आप अगर पूछें कि आख़िर क्यों ऐसा कन्हैया कुमार जैसे लोग कर रहे है तो मेरे हिसाब से इसके दो कारण हो सकते हैं - एक तो भाजपा को जवाब देने के लिए उनके जैसा बनने की कोशिश, ताकि धार्मिक आधार पर वोटों की राजनीति हो सके और दूसरा जल्दी से खुद को बड़ा नेता बनाने की जद्दोजहद और कोशिशें। शायद कन्हैया कुमार को पता चल गया है कि जब तक वो सेक्युलर वाली बात करेगा, वो नेता नहीं बन पायेगा। बड़ा वाला जो वो बनना चाहता है (अगर वो ऐसा सोचते है तो) क्योंकि बड़ा वाला नेता बनने के लिए धार्मिक आधार और मजबूत करने होते है और तब जाकर उसकी पूछ होती है।

खैर, कारण उपरोक्त दोनों में कोई हो या कोई तीसरा या चौथा या कोई और, पर ऐसा देखते हुए मुझे अत्यन्त दुख हुआ, निराशा हाथ लगी और शायद मेरे जैसे बहुत ऐसे लोग होंगे जो ऐसा महसूस कर रहे होंगे।

एक साथ लाल सलाम और हर हर महादेव या जय श्रीराम नहीं हो सकता।

इसी पर याद आए जेएनयू के वो लम्हे जब कन्हैया और उमर खालिद एक साथ एक मंच पर छात्र संघर्ष और देश के संविधान की रक्षा करने सामने आये। दोनों को गिरफ्तार किया गया। कन्हैया की रिहाई के लिए सारे वामपंथी गुट खड़े हुए, लेकिन उमर खालिद को ऐसा समर्थन कहीं से नहीं मिला। यहां तक कि कन्हैया ने भी उमर की रिहाई के लिए किसी तरह की पैरवी नहीं की। इसके बाद सीएए-एनआरसी को लेकर जब जामिया मिल्लिया इस्लामिया से छात्र आंदोलन उठा तो उसकी अगुआई में उमर खालिद आगे-आगे रहे।

शाहीन बाग शुरू हुआ तो उमर खालिद ने अपने समर्थकों के साथ उसे स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। उमर खालिद फिर गिरफ्तार कर लिए गए। इस बार पहले से भी संगीन धाराएं उमर खालिद पर लगाई गईं। लेकिन कन्हैया का मुंह सिल गया। एक बार भी यह कॉमरेड उमर से मिलने जेल तक नहीं गया। कन्हैया अगर सॉफ्ट हिन्दुत्व की तरफ बढ़ रहे हैं तो उमर खालिद उसमें बाधा बनेगा ही।

राष्ट्रीय लोक अदालत 10 अप्रैल को

करनाल, (म.मो.) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करनाल अमित शर्मा ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण 10 अप्रैल को जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करनाल जगदीप जैन के मार्गदर्शन में सेशन डिवीजन करनाल में नेशनल लोक अदालत का आयोजन करने जा रही है। करनाल सेशन डिवीजन में इस नेशनल लोक अदालत में 2798 केसों को निपटारे के लिए रखा गया है, जिसके लिए 9 बेंचों का गठन किया गया है।

उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति अपने लंबित मामलों जिसमें दुर्घटना के दावे चेक बाउंस, बैंक वसूली, नागरिक विवादों से संबंधित और जिनमें सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएं भी शामिल हैं और यहां तक कि घरेलू हिंसा अधिनियम आदि से संबंधित मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से सुलझा सकते हैं।

नाकाम योजना आयुष्मान भारत के फायदे गिना डाले

करनाल, (म.मो.): आयुष्मान योजना बेशक बुरी तरह नाकाम हो चुकी है, लेकिन सरकारी एजेंसियां उसे जबरन सफल होने के दावे करती रहती हैं। सरकारी तौर पर दावा किया गया है कि आयुष्मान भारत एक परिवार को एक साल में 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त उपलब्ध कराने की योजना है। लेकिन जब आम जनता से इसके बारे में पूछा जाता है तो वे बताते हैं कि उन्हें ऐसी किसी योजना से कोई फायदा नहीं मिला है।

बहरहाल, इस स्वास्थ्य बीमा योजना में अब तक करनाल जिले में सबसे अधिक कुल 45 अस्पताल इंपैनल्ड हैं, जिनमें 9 सरकारी व शेष प्राइवेट हैं। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत करनाल जिले में अभी तक 25 करोड़ रुपये की सहायता मरीजों

को दी जा चुकी है। रेडियो ग्रामोदय के वेकअप करनाल कार्यक्रम में आयुष्मान योजना संबंधी विशेष अंक में हरियाणा ग्रंथ अकादमी उपाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान व करनाल जिले की आयुष्मान योजना की नोडल अधिकारी डॉ. सरोज बाला के मध्य हुई वार्ता में यह तथ्य उभर कर सामने आए।

इस अवसर पर ग्रन्थ अकादमी उपाध्यक्ष ने कहा कि 31 अप्रैल तक चलने वाले विशेष अभियान में वे सभी परिवार अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं,जो 2011 के सर्वेक्षण में पात्रता के अनुसार सूचीबद्ध हो गए थे, किंतु अभी तक किसी भी कारण से अपना आधार कार्ड नहीं बनवा पाए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 2011 के सर्वे में सूचीबद्ध परिवारों के वे सदस्य भी अपने आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं, जो 2011 के बाद पैदा या विवाहित होकर उस परिवार के सदस्य बने हैं ।

बंगाल में चुनाव आयोग की मर्यादा तार-तार: दीपेंद्र

करनाल, (म.मो.) जाट भवन में भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ. भीम राव अम्बेडकर के जन्म दिन को समर्पित किसान मजदूर व्यापारी कर्मचारी तथा संविधान बचाओ सम्मेलन में राज्य सभा में कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा है कि भाजपा के राज में किसान मजदूर व्यापारी और कर्मचारी सबसे ज्यादा दुखी हैं।

इन वर्गों के लोग अपने अस्तित्व को बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। जिस संविधान के लिए तथा देश को आजाद करवाने के लिए हमारे लाखों करोड़ों शहीदों ने अपनी शहादत दी। वही आज़ादी और इसका प्रतीक संविधान भाजपा के राज में खतरे में हैं। आज देश के संविधान को बचाने के लिए दूसरी आज़ादी की लड़ाई लड़ने की जरूरत हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित कांग्रेस के जिला संयोजक तरलोचन सिंह द्वारा संयोजित किसान-मजदूर-व्यापारी कर्मचारी तथा संविधान बचाओ सम्मेलन में बोलते हुए दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हमारा देश जिस समय आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मना रहा हैं, उसी समय देश की आजादी के प्रतीक संविधान को तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है। संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा और स्वतंत्रता लगातार खत्म हो रही है। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग की मर्यादा तार-तार हो चुकी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा ने कहा कि प्रदेश में भाजपा जजपा सरकार लोगों का भरोसा खो चुकी है। उन्होंने कहा कि आज करनाल में मुख्यमंत्री हैं।

लेकिन करनाल को छावनी बना दिया है। लोगों के रास्ते बंद कर दिए हैं। मुख्यमंत्री अपने विधानसभा क्षेत्र में जब स्वतंत्र होकर नहीं घूम सकते हैं, तो फिर उन्हें मुख्यमंत्री पद पर रहने का अधिकार नहीं हैं।

इससे पहले कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम के संयोजक तरलोचन सिंह, कांग्रेस के पूर्व शहर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रधान अशोक खुराना, श्री गुरु रविदास सभा के प्रधान रोहित जोशी, दया प्रकाश, भगवान वाल्मीकि महाकाली सेवक जत्था की तरफ से परमजीत, विनोद काला, प्रेम मलवानिया, सुनहरा वाल्मीकि किसानों की तरफ से होशियार सिंह, विक्रम सिंह, जोधा सिंह, कर्मपाल सिंह, सूरत सिंह, अविनाश कौर, गगन मेहता ने सरोपा भेंट कर सम्मनित किया।

सम्मेलन को संबोधित करने वाले में पूर्व विधायक सुमिता सिंह पूर्व मंत्री भीमसेन मेहता,पूर्व विधायक,नरेंद्र सांगवान, तथा कांग्रेस नेता अनिल राणा थे। कार्यक्रम का संचालन रधुबीर संधु ने किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता धर्मपाल कौशिक,कांग्रेस नेता शहर जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अशोक खुराना, अरविंद मान हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के पूर्व सदस्य ललित बुटाना, चांदवीर हुड्डा, रणपाल संधु, जोगिंदर चौहान, रमेश सैनी,डॉक्टर चंद्रमणि नारंग,कमल मान, अमरजीत धीमान, नरेंद्र अघी,विजेंद्र सैनी, अंग्रेज सैनी सतपाल जानी, परमजीत भारद्वाज साहब सिंह खारा गुरलाल सिंह का हाबड़ी, जज सिंह जलमाना,अशोक कंबोज ,पराग गाबा,जागीर सैनी, अनिल शर्मा, अनिल कम्बोज, सुरजीत सैनी, सुषमा नागपाल, संतोष चौहान सहित अन्य मौजूद रहे।

अब होश आया...संपत्ति कर की गलतियों को तेजी से ठीक करने का निर्देश

करनाल, (म.मो.) सम्पत्ति कर की त्रुटियों को दुरुस्त करने के कार्य में अब तेजी आएगी। इसे लेकर नगर निगम आयुक्त विक्रम ने सम्पत्ति कर के लिए सर्वे का कार्य देख रही याशी कंसल्टेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर संयज गुप्ता से मीटिंग की और उन्हें निर्देश दिए कि वे कर्मचारियों की संख्या को बढ़ाकर 30 करें, जिनमें से 10 कर्मचारी निगम कार्यालय में और 20 कर्मचारी फील्ड में काम देखेंगे। मीटिंग में निगम के संयुक्त आयुक्त गगनदीप सिंह तथा कर अधीक्षक गगनदीप सिंह मौजूद रहे। निगमायुक्त ने बताया कि गत 5 अप्रैल तक ऑफलाइन व पीएमएस हरियाणा डॉट कॉम पोर्टल के माध्यम से करीब 3310 दावों की आपत्ति दर्ज की गई थी, जिनमें से करीब 300 आपत्तियों की त्रुटियों को दुरुस्त किया जा चुका है। शेष आपत्तियों का जल्दी से निस्तारण करने के लिए उन्होंने एजेंसी के मैनेजिंग डायरेक्टर को निर्देश दिए कि वे मौका निरीक्षण करवाकर उन्हें दुरुस्त करवाएं। उन्होंने बताया कि अभी भी कुछ लोग रह गए हैं, जिन्होंने आपत्तियां दर्ज करवानी है, इसके लिए पोर्टल की तिथि को बढ़ाने के लिए हेड ऑफिस से बातचीत चल रही है, उम्मीद है कि इसकी तिथि को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि एजेंसी के 10 कर्मचारी कार्यालय में नागरिकों से पोर्टल पर दावे/आपत्तियां दर्ज करेंगे तथा 20 कर्मचारी फील्ड में रहकर दर्ज आपत्तियां का मौका निरीक्षण कर उनके दस्तावेजों के आधार पर उनकी त्रुटियों का निस्तारण करेंगे। उन्होंने बताया कि यह कार्य समानांतर चलेगा।

कैमरे लगाने का काम एक महीने में पूरा करने को कहा

करनाल (म.मो.): शहर के भिन्न-भिन्न जंक्शन पर लगे नगर निगम के सभी सीसीटीवी कैमरे सेक्टर-12 स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जुड़ेंगे। इसे लेकर बुधवार को नगर निगम आयुक्त विक्रम ने स्मार्ट सिटी में कैमरे लगा रही टीम के साथ एक मीटिंग की। एक महीने का समय देकर इस पर टीम से जिम्मेदारी पूरी करने का वादा लिया। शहर के करीब 30 चौक-चौराहों पर स्मार्ट सिटी के उच्च तकनीक युक्त 150 कैमरे लगाए गए हैं, 30 और लगने हैं। दूसरी ओर नगर निगम के भी करीब 129 कैमरे पहले से ही चौक-चौराहों पर लगे हुए हैं। दोनो को मिलाकर कैमरो की संख्या 300 के पार रहेगी। नए कैमरों की इंस्टालेशन के दौरान पुराने कैमरों के सर्वर में कुछ खराबी मिलने की रिपोर्ट की आयुक्त ने जानकारी दी, जिन्हें ठीक करवाने और आईसीसीसी सेंटर से कनेक्ट करने के लिए मीटिंग बुलाई। बैठक में नगर निगम के एसई दीपक किंगर, एक्सईएन सौरभ गोयल, एई मनीश अग्रवाल, स्पोर्ट इंजीनियर मोहन शर्मा, पीएमसी टीम के इंजीनियर तथा मद्रास सिक्योरिटी प्रिंटर्स के प्रतिनिधि शामिल रहे।